(ख) क्या इन झगड़ों के परिणामस्वरूप रेलवे सम्पत्ति को हुई हानि की कोई सूचना सरकार को प्राप्त हुई है; और

(ग) इन झगड़ों के क्या कारण हैं?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) यात्रियों और रेल कर्मचारियों के बीच कोई झगड़ा नहीं हुआ।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता।

औद्योगिक संस्थानों की स्थापना

2800. श्री बाल्मीक चौधरी : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में विभिन्न औद्योगिक संस्थानों की स्थापना करने के लिये पिछले पांच वर्षों में केन्द्रीय सरकार ने कितनी एकड़ कृष्य भूमि अर्जित की; और

(ख) इसके परिणामस्वरूप खाद्यान्नों के उत्पादन में अनुमानतः कितनी कमी हुई?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख). सूचना इकट्ठी की जा रही है और वह सभा पटल पर रख दी जायेगी।

इस्पात का मूल्य तथा उसके नियंत्रण हटाना

2802. श्री रामावतार शर्मा :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री यशवन्तसिंह कुशवाह :
श्री शिव कुमार शास्त्री :

क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 1 मई, 1967 से इस्पात पर नियंत्रण हटाये जाने के पश्चात विभिन्न किस्मों के इस्पात के मूल्यों में जो वृद्धि हुई है, उसके बारे में कोई अनुमान लगाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो ये मूल्य नियंत्रण से पहले के मूल्यों की तुलना में कितने कम अथवा अधिक हैं?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्र० चं० सेठी) : (क) और (ख) जी हां। एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है। [पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये संख्या एल० टी०—700/67] विवरण में लोह और इस्पात की कुछ किस्मों के 1-5-67 से पहले और इस के बाद मूल्य दिखाये गये हैं।

विदेशों के साथ व्यापार

2803. श्री रामावतार शर्मा :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री शिव कुमार शास्त्री :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 26 मई, 1967 को नई दिल्ली में समाचार संवाददाताओं के एक सम्मेलन में पश्चिमी जर्मनी के व्यापार विशेषज्ञ श्री हेल्मुथ वोल्राथ की इस आशय की टिप्पणियों की ओर दिलाया गया है कि भारतीय निर्यात व्यापार पर विदेशों में फैली हुई इस आम धारणा के कारण बुरा प्रभाव पड़ रहा है कि भारत विपदाओं में फंसा हुआ है और उस पर निर्भर नहीं किया जा सकता;

(ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ग) विदेशों में फैली हुई इस धारणा को दूर करने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है?